Press Release

IIM Raipur Organised a Book Writing Workshop to Inspire Academic Authorship

Editor's Synopsis:

- Workshop organised by NEP, Research, Publication & Library Committee.
- Held on 29th October 2025 at IIM Raipur.
- Included expert seminars led by faculty from IIM Bangalore and prominent editors from Springer Nature.
- The purpose was to encourage academic writing and publication in line with NEP 2020 and AACSB goals.

Raipur, 30th October 2025: The Indian Institute of Management (IIM) Raipur successfully conducted a Book Writing Workshop titled "Capital through Authoring Textbooks and Reference Works" on October 29, 2025, under the aegis of the NEP, Research, Publication & Library Committee, chaired by Prof Manojit Chattopadhyay. The workshop aimed to encourage faculty and researchers to contribute to academic publishing by writing high-quality textbooks, monographs, and reference works that align with the principles of NEP 2020 and AACSB accreditation.

The event commenced with a lighting of the lamp ceremony, followed by a welcome address by Prof. Satyasiba Das (Dean, External Relations), who emphasised the importance of academic writing in India's evolving higher education ecosystem. Citing the example of internationally recognised book authors, he said that the IIM Raipur family will be glad to see the IIM Raipur Faculty members' books in Airports and other places soon. Prof. Sanjeev Prashar, Director-in-Charge of IIM Raipur, delivered the inaugural address, highlighting the institute's continued efforts to nurture academic excellence and innovation in management education. He cited untold stories of Rishi Valmiki Ji and Lord Hanuman Ji writing the Ramayan for a long period and emphasised that a book author's journey starts with creating silence so that thoughts can be effectively translated into the Book. He further said, "At IIM Raipur, we believe in the power of sharing knowledge through books and scholarly writing. This workshop is a genuine opportunity for our faculty and scholars to turn their ideas and expertise into books that can inspire and shape the future of management education. We're committed to fostering an environment where research and teaching go hand in hand, reflecting our dedication to the goals of NEP 2020 and AACSB. It's encouraging to see such enthusiasm for building a strong academic publishing culture in India."

Prof. M. Kannadhasan shared his insights on the process of book authoring, offering valuable perspectives on translating research into impactful publications. The inaugural session concluded with a vote of thanks by Prof. Pradiptarathi Panda, Programme Director.

Prof. Sourav Mukherji from IIM Bangalore led the first technical session. He discussed why people write books and the various types of academic publications, including textbooks, monographs, edited volumes, and practitioner-oriented books. His second lecture was about writing that is connected to the curriculum and how academic authors can shape business education for MBA, Executive MBA, and PhD programs.

Ms Nupoor Singh, Senior Editor at Springer Nature, discussed the various types of scholarly books, the process of writing scientific papers, and the best ways to publish them. She also discussed important aspects of publication ethics and how artificial intelligence would impact the future of academic writing. Mr Neeraj Karandikar, from Springer Nature, discussed the importance of eBooks and their widespread use as essential tools for authors worldwide.

The Book Writing Workshop served as an engaging and informative platform that fostered knowledge exchange and inspired participants to pursue academic writing, thereby strengthening management education and research in India.

About IIM Raipur:

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2025, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 15th in the MHRD-NIRF Business Ranking and 13th in the IIRF 2025 Ranking. In 2024, secured the top spot in the CSR- GHRDC B-school Ranking, and ranked 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.

For more information, please visit: www.iimraipur.ac.in

Building Business Owners

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईएम रायपुर ने शैक्षणिक लेखन को प्रेरित करने हेतु पुस्तक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया

संपादक के लिए मुख्य बिंदु:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अनुसन्धान, प्रकाशन तथा पुस्तकालय समिति द्वारा आयोजन
- कार्यशाला का आयोजन 29 अक्टूबर 2025 को किया गया

• भारतीय प्रबन्ध संस्थान बंगलूरु के प्राध्यापकों तथा स्प्रिंगर नेचर के प्रमुख सम्पादकों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान
• उद्देश्य: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं एएसीएसबी अभिलक्ष्यों के अनुरूप शैक्षणिक लेखन एवं प्रकाशन को प्रोत्साहन

रायपुर, 30 अक्तूबर 2025: भारतीय प्रबन्ध संस्थान रायपुर द्वारा "पाठ्यपुस्तकों एवं संदर्भ ग्रन्थों के लेखन के माध्यम से विद्वत्-पूँजी सृजन" विषय पर पुस्तक लेखन कार्यशाला का आयोजन 29 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अनुसन्धान, प्रकाशन एवं पुस्तकालय समिति के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोजित चट्टोपाध्याय थे। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्राध्यापकों एवं शोधकर्ताओं को प्रेरित करना था, ताकि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा एएसीएसबी प्रत्यायन के सिद्धान्तों के अनुरूप उच्च-कोटि की पाठ्यपुस्तकें, शोधग्रन्थ तथा संदर्भ ग्रन्थों का लेखन कर शैक्षणिक प्रकाशन में योगदान दे सकें।

कार्यक्रम का शुभारम्भ दीपप्रज्वलन एवं स्वागत-सम्बोधन के साथ हुआ। प्रोफेसर सत्यसीबा दास (डीन, बाह्य सम्बन्ध) ने भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में शैक्षणिक लेखन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शीघ्र ही भारतीय प्रबन्धन संस्थान रायपुर के प्राध्यापकों के ग्रन्थ देश के हवाई अड्डों तथा अन्य प्रतिष्ठित स्थानों पर उपलब्ध होंगे।

भारतीय प्रबन्ध संस्थान रायपुर के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर संजीव प्रशर ने उद्घाटन-भाषण देते हुए संस्थान द्वारा प्रबन्धन शिक्षा में अनुसन्धान एवं नवोन्मेष को प्रोत्साहन देने सम्बन्धी सतत् प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने ऋषि वाल्मीकि तथा श्री हनुमान जी द्वारा दीर्घकालीन लेखन साधना के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि पुस्तक-लेखक की यात्रा एकान्त साधना से आरम्भ होती है, जहाँ विचारों को ग्रन्थ का रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा, "भारतीय प्रबन्ध संस्थान रायपुर में हम ज्ञान के प्रसार और शैक्षणिक लेखन की शक्ति में विश्वास रखते हैं। यह कार्यशाला हमारे प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों के लिए अपने विचारों एवं विशेषज्ञता को पुस्तकों में रूपान्तरित कर भविष्य की प्रबन्धन शिक्षा को दिशा देने का अवसर है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा एएसीएसबी के लक्ष्यों के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है।"

प्रोफेसर एम. कननधासन ने पुस्तक लेखन की प्रक्रिया पर अपने विचार व्यक्त किए और अनुसन्धान को प्रभावी प्रकाशनों में रूपान्तरित करने से सम्बन्धित महत्वपूर्ण दृष्टिकोण साझा किए। उद्घाटन सत्र का समापन कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर प्रदीप्तरथी पाण्डा द्वारा आभार-प्रदर्शन के साथ हुआ।

प्रथम तकनीकी सत्र का संचालन भारतीय प्रबन्धन संस्थान बंगलूरु के प्रोफेसर सौरव मुखर्जी ने किया। उन्होंने शैक्षणिक लेखन के महत्व, पाठ्यपुस्तकों, शोध-ग्रन्थों, सम्पादित ग्रन्थों तथा व्यवहार-उन्मुख पुस्तकों सहित विभिन्न प्रकाशन रूपों पर विस्तृत चर्चा की। दूसरे सत्र में उन्होंने पाठ्यचर्या-आधारित लेखन तथा एमबीए, कार्यकारी एमबीए तथा पीएचडी कार्यक्रमों के लिए शिक्षण सामग्री के विकास पर प्रकाश डाला।

स्प्रिंगर नेचर की वरिष्ठ सम्पादिका सुश्री नूपुर सिंह ने शैक्षणिक पुस्तकों के विभिन्न स्वरूपों, वैज्ञानिक लेखन की प्रक्रिया तथा प्रकाशन की सर्वोत्तम पद्धतियों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रकाशन-नैतिकता तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव पर भी विचार प्रस्तुत किए। श्री नीरज करंदीकर (स्प्रिंगर नेचर) ने ई-पुस्तकों की आवश्यकता एवं वैश्विक स्तर पर उनके बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला।

यह पुस्तक लेखन कार्यशाला ज्ञान-विनिमय का एक प्रभावी एवं प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुई, जिसने प्रतिभागियों में शैक्षणिक लेखन एवं प्रकाशन की संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में नव-उत्साह उत्पन्न किया।

आईआईएम रायपुर के बारे में:

2010 में स्थापित, आईआईएम रायपुर गतिशील लीडर्स को तैयार करने का केंद्र है, जो उन्हें अपने-अपने व्यवसाय क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान, अनुभव और अमूल्य संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को विभिन्न व्यवसाय क्षेत्रों में 50 से अधिक कुशल प्राध्यापकों और देश के 700 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों से शक्ति मिलती है। 2025 में, आईआईएम रायपुर ने उल्लेखनीय रैंकिंग हासिल की, जिसमें एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 15वां स्थान और आईआईआरएफ 2025 रैंकिंग में 13वां स्थान शामिल है। 2024 में, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान और आउटलुक-आईकेयर सूची में आठवां स्थान प्राप्त किया। हम देश के सबसे तेजी से विकसित होते आईआईएम में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के जीवंत दिल, नया रायपुर में स्थित हमारा नया, अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ खूबसूरती से जोड़ता है, जिससे एक अनूठा और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण बनता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: www.iimraipur.ac.in